Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 119–2020/Ext.] CHANDIGARH, MONDAY, AUGUST 24, 2020 (BHADRA 2, 1942 SAKA)

HARYANA VIDHAN SABHA SECRETARIAT

Notification

The 24th August, 2020

No. 22-HLA of 2020/68/11517.— The Haryana Lifts and Escalators (Amendment) Bill, 2020, is hereby published for general information under proviso to Rule 128 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly :–

Bill No. 22–HLA of 2020

THE HARYANA LIFTS AND ESCALATORS (AMENDMENT) BILL, 2020

A

BILL

further to amend the Haryana Lifts and Escalators Act, 2008.

Be it enacted by the Legislature of the State of Haryana in the Seventy-first Year of the Republic of India as follows:–

Short title.

1. This Act may be called the Haryana Lifts and Escalators (Amendment) Act, 2020.

Amendment of section 2 of Haryana Act 27 of 2008.

2. After clause (a) of section 2 of the Haryana Lifts and Escalators Act, 2008 (hereinafter called the principal Act), the following clause shall be inserted, namely:–

'(aa) "emergency rescue device" means an electronic and electric apparatus which provides 3-phase emergency power supply to the lift, in case of power failure/breakdown in the high rise building and gives sufficient backup to the lift to land, stop and open the landing and lift cage doors at any floor and remain in regular operation upto the extended time which would be at least fifteen minutes;'.

Substitution of section 5 of Haryana Act 27 of 2008.

3. For section 5 of the principal Act, the following section shall be substituted, namely:–

"5. Emergency rescue device and automatic rescue device. – (1) The owner shall make arrangement to provide the emergency rescue device for high rise building having height more than fifteen meters excluding group housing, domestic or any other building to rescue the travelling passengers trapped in the lift in the event of breakdown of power supply by bringing the lift to any floor, stopping the lift and keeping the landing and lift cage doors open.

(2) The owner shall have option to provide automatic rescue device or emergency rescue device for group housing building, domestic or any other building having height less than fifteen meters to rescue the travelling passengers trapped in the lift in the event of breakdown of power supply by bringing the lift to nearest/any floor, stopping the lift and keeping the landing and lift cage doors open, as the case may be.".

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The amendment in section 2 and 5 of the Haryana Lifts and Escalators Act, 2008 is required in view of safety of general public from getting stuck in lifts, when the power supply goes off suddenly. As per existing provision in the section 5 of the said Act, use of Automatic Rescue Device is mandatory in the lifts to rescue the travelling passengers trapped in the lift in the event of breakdown of power supply. The matter has been examined and it has been ascertained that whenever there is power outage, the lift stops in between two floors immediately with a jerk and then after 10-15 seconds, Automatic Rescue Device operates and brings the lift cage to the nearest floor and opens the doors. But, Emergency Rescue Device will give sufficient backup to the lift to land, stop and open the landing and lift cage doors at the desired floor and keep the lift in operation up to the extended time, which would be at least 15 minutes. Therefore, the use of Emergency Rescue Device in place of Automatic Rescue Device would be a better option, especially in the high rise buildings having height more than 15 meters to deal with the problem for the safety of men and material.

Hence, this bill.

RANJIT SINGH,
Power Minister, Haryana.

Chandigarh:
The 24th August, 2020.

R. K. NANDAL,
Secretary.

[प्राधिकृत अनुवाद]

2020 का विधेयक संख्या 22 एच.एल.ए.

हरियाणा लिफ्टस तथा एस्केलेटर अधिनियम, (संशोधन) विधेयक, 2020

हरियाणा लिफ्टस तथा एस्केलेटर अधिनियम, 2008,

को आगे संशोधित करने के लिए

विधेयक

भारत गणराज्य के इकहत्तरवें वर्ष में हरियाणा राज्य विधानमण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :–

संक्षिप्त नाम।

1. यह अधिनियम हरियाणा लिफ्टस तथा एस्केलेटर अधिनियम (संशोधन) अधिनियम, 2020, कहा जा सकता है।

2008 के हरियाणा अधिनियम 27 की धारा 2 का संशोधन।

2. हरियाणा लिफ्टस तथा एस्केलेटर अधिनियम, 2008 (जिसे, इसमें, इसके बाद मूल अधिनियम कहा गया है), की धारा 2 के खण्ड (क) के बाद, निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :–

'(कक) ''आपात बचाव यन्त्र'' से अभिप्राय है, इलेक्ट्रोनिक तथा विद्युत यन्त्र, जो गगनचुंबी भवनों में बिजली की खराबी/ठप्प हो जाने की दशा में तथा लिफ्टस को उतरने, रोकने तथा किसी भी मंजिल पर लिफ्ट केज डोर के खुलने में पर्याप्त बैक–अप देता है तथा विस्तारित समय जो कम से कम पन्द्रह मिनट होगा, तक नियमित संचालन में रहता है, लिफ्ट को बिजली की 3–फेस आपूर्ति प्रदान करता है ;'।

2008 के हरियाणा अधिनियम 27 की धारा 5 का संशोधन।

3. मूल अधिनियम की धारा 5 के स्थान पर, निम्नलिखित धारा प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :–

''5. आपात बचाव यंत्र तथा स्वचालित बचत यंत्र.–(1) स्वामी बिजली आपूर्ति ठप्प होने की दशा में यात्रा कर रहे यात्रियों के बचाव के लिए लिफ्ट को किसी मंजिल पर लाने, लिफ्ट रोकने तथा उतरते समय ध्यान रखने तथा लिफ्ट केज डोर को खोलने के लिए ग्रुप हाऊसिंग, घरेलू या किसी अन्य भवन को छोड़कर पंद्रह मीटर से अधिक की ऊँचाई वाले गगनचुंबी भवन के लिए आपात बचाव यंत्र को उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करेगा।

(2) स्वामी को बिजली आपूर्ति ठप्प होने की दशा में यात्रा कर रहे यात्रियों के बचाव के लिए लिफ्ट को नजदीकी किसी मंजिल पर लाने, लिफ्ट को रोकने, लिफ्ट से उतरते समय ध्यान रखने तथा लिफ्ट केज डोर खोलने, जैसी भी स्थिति हो, पंद्रह मीटर से कम ऊँचाई वाले ग्रुप हाऊसिंग भवन, घरेलू या किसी अन्य भवन के लिए स्वचालित बचाव यंत्र तथा आपात बचाव यंत्र की व्यवस्था करने का विकल्प होगा।

उद्देश्यों एवं कारणों का विवरण

हरियाणा लिफ्टस तथा एस्केलेटरस अधिनियम, 2008 की धारा 2 और धारा 5 में संशोधन आम जनता की सुरक्षा को देखते हुए, जब बिजली की आपूर्ति अचानक बंद हो जाती है तो लिफ्ट में फंसने से बचाने के लिए आवश्यक है। उक्त अधिनियम की धारा 5 में तत्कालीन प्रावधान के अनुसार लिफ्टों में बिजली आपूर्ति ठप होने की स्थिति में लिफ्ट में फंसे यात्रियों को बचाने के लिए स्वाचालित बचाव यंत्र का उपयोग अनिवार्य है। इस मामले की जॉच की गई और यह सुनिश्चित किया गया कि जब बिजली निकासी होती है तो लिफ्ट एक झटके के साथ तुरन्त दो मंजिलों के बीच में रोक जाती है और फिर 10—15 सैकैंड के बाद ए आर डी काम करता है और लिफ्ट केज नजदीकी मंजिल पर लाकर दरवाजे खोल देता है। आपातकालीन बचाव यन्त्र पर्याप्त बैकप देगा तथा लिफ्ट केज के दरवाजों को किसी भी मंजिल पर खोलेगा और 15 मिनट विस्तारित समय तक नियमित संचालन में रखेगा। इसलिए विशेष रूप से जान व माल की सुरक्षा के लिए समस्या से निपटने के लिए 15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली ऊंची इमारतों में स्वाचालित बचाव यंत्र के स्थान पर आपातकालीन बचाव यंत्र का उपयोग बेहतर विकल्प होगा।

इसलिए यह बिल।

रणजीत सिंह,
बिजली मंत्री, हरियाणा।

चण्डीगढ़ :
दिनांक 24 अगस्त, 2020.

आर० के० नांदल,
सचिव।